Nai Dunia (Indore), 17th December 2024, Indore City Page – IV

आधुनिक ऊर्जा प्रणालियों की चुनौतियों के समाधान के महत्व पर हुआ मंथन

राष्ट्रीय सम्मेलन ● मध्य भारत में आइआइटी इंदौर ने पहली बार आयोजित किया विद्युत प्रणाली सम्मेलन

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : आइआइटी इंदौर में तीन दिवसीय 23वें राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली सम्मेलन (एनपीएससी 2024) का आयोजन किया गया। मध्य भारत में पहली बार आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन आइआइटी इंदौर, पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र (डब्ल्यूआरएलडीसी), ग्रिड कंट्रोलर आफ इंडिया लिमिटेड ने संयुक्त रूप से किया, जो शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोगात्मक प्रयास को रेखांकित करता है।

'एचिविंग डीकार्बोनाइज्ड, डिजिटलाइज्ड एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स' थीम के साथ एनपीएससी 2024 में मिशन इनोवेशन और ईवी मिशन शामिल किए गए। यह सम्मेलन भारत के जलवायु लक्ष्यों और ऊर्जा अनुकूल रणनीतियों के साथ कार्बन तटस्थता, डिजिटल बदलाव और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित था।

आइआइटी इंदौर में आयोजित हुआ कार्यक्रम ● सौजन्य

आइआइटी इंदौर की आयोजन अध्यक्ष और प्रतिष्ठित संकाय सदस्य प्रोफेसर तृप्ति जैन ने इस दौरान आधुनिक ऊर्जा प्रणालियों की चुनौतियों का समाधान करने के महत्व पर जोर दिया। वहीं, ग्रिड कंट्रोलर आफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक एसआर नरसिम्हन ने स्थायी ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में ग्रिड आधुनिकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण पर बात रखी। वहीं, आइआइटी कानपुर के प्रोफेसर सुरेशचंद्र श्रीवास्तव ने शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं द्वारा मुख्य भाषण, तकनीकी सत्र, कार्यशालाओं और पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, स्मार्ट ग्रिड, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और पावर सिस्टम रिजिल्यन्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया।

यह सम्मेलन आइईई मध्यप्रदेश अनुभाग द्वारा वित्तीय रूप से प्रायोजित है और ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख संगठनों द्वारा समर्थित है, जिनमें एनटीपीसी, मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, टाटा पावर, जिंदल पावर, अडानी रिन्यूएबल्स, टोरेंट पावर, एनपीटीआई, एलएंडटी डिजिटल एनर्जी साल्यूशंस, नायक पावर सिस्टम्स, स्टरलाइट पावर, ग्रिड इंडिया और पावर ग्रिड शामिल हैं। इनका तकनीकी और वित्तीय समर्थन विद्युत प्रणाली समुदाय के बीच नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने में एनपीएससी 2024 के महत्व को प्रदर्शित करता है।